E
Batch - 2020- 2023

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

परीक्षा : दिसंबर – २०२३

सत्र – २

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: २३/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ विरेचन सिद्धान्त की व्याख्या प्रस्तुत करते हुए, उसे सोदाहरण विवेचित कीजिए ।

प्र. २ संप्रेषण सिद्धान्त का स्वरुप समझाते हुए, उसके महत्व को अधोरेखित कीजिए ।

प्र. ३ सरंचनवाद के स्वरुप पर प्रकाश डालते हुए, उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ प्रतीकवाद का महत्व और सीमाएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का विवेचन कीजिए ।

प्र. ६ क्रोचे की कलाविषयक धारणाओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ यथार्थवाद का स्वरुप स्पष्ट करते हुए, उसके भेदों का परिचय दीजिए ।

प्र. ८ लोंजाइनस का परिचय देते हुए, उनके द्वारा की गई उदात्त की व्याख्या स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ अनुकरण सिद्धान्त को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१ उदात्त के विरोधी तत्व

२ अंतःप्रज्ञा और अभिव्यंजना का नित्यसंबंध

३ बिंबवाद

४ निर्वैयक्तिकता की धारणा और साधारणीकरण ।